वशि्व आर्थकि मंच वार्षकि सम्मेलन 2019

चर्चा में क्यों?

हाल ही में दावोस में पाँच दविसीय वशि्व आर्थकि मंच की वार्षकि बैठक 2019 आयोजति की गई जसिमें जलवायु परविर्तन, बढ़ती असमानता और अमेरिका-चीन व्यापार तनाव सहति वैश्वकि अर्थव्यवस्था के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा हुई।

महत्त्वपूर्ण बदिु

- हाल ही में वशि्व आर्थकि मंच (WEF) का सम्मलेन दावोस में आयोजति कयिा गया। इसमें राजनीत, व्यापार, वज्ञिान, समाज और पर्यावरण से संबंधति परचिति एवं नए लोगों एवं ववििध वचिारों एवं संस्कृतियों का संवेदी समावेश कयिा गया।
- इस सम्मलेन में सामान्य वषियों को भी शामलि कयिा गया है जसिसे यह प्रदर्शति होता है कसिबके सहयोग से ही बेहतर भवषि्य का नर्िमाण हो सकता है।
- इस वर्ष सम्मलेन का वषिय ग्लोबलाइज़ेशन 4.0 था जसिमें संस्कृत िके महत्त्वपूर्ण आयामों को शामलि कयिा गया। इसमें वैश्वीकरण (ग्लोबलाइज़ेशन) के वास्तवकि अर्थ पर बात की गई, जबकपिहले ग्लोबलाइज़ेशन का अर्थ पश्चमि से पूर्व देशों को कयिा जाने वाला आयात था। जो आज पूरी तरह बदल चुका है।
- इस सम्मलेन में सार्वजनकि और नजिी क्षेत्रों के लगभग 3,000 प्रतभिागी और 115 देशों के नागरकि और सांस्कृतकि समाज के संगठन शामलि हुए।

भारत के संदर्भ में

- WEF भवषि्य को नया आयाम देने के अंतर्गत वभिनि्न नागरकि समाज संगठनों के युवाओं का बेहतर प्रतनिधित्वि करता है।
- इसके अंतर्गत बाज़ार अवसरों पर चर्चा की गई जैसे कतिजेी से बढ़ते बाजारों में भवषि्य में होने वाली खपत। इस बार इसका केंद्रबदिु भारत रहा जसिमें साझेदारी पर महत्त्वपूर्ण ध्यान दयिा गया है।
- WEF की भवषि्य की खपत प्रणाली की पहल के अंतर्गत एक ऐसे वैश्वकि समाज को शामलि करती है जहां लोगों के जीवन में तकनीकी प्रगतसिमावेशी और दृढ़ता से जुड़ा है, जो लोगों के दैनकि जीवन को सरल बनाता है।
- WEF की इस साल की रपिोर्ट में भारत को युवा राष्ट्र बताते हुए यह स्पष्ट कयिा गया है कभिारत 2030 तक अपनी खपत में लगभग 6 ट्रलियिन डॉलर की वृद्धकिरेगा क्योंकतिब तक इसकी आबादी और बढ़ जाएगी।
- नीतआियोग के CEO ने भी भारत को नवाचार से जोड़ने के लयि बहुराष्ट्रीय कंपनियों को और अधकि सुवधिा प्रदान करने पर बल देने की बात कही है।
- कंपनियों, सरकार एवं नागरकि समाज ने आने वाले दशक में भारत को बहुत बड़ा उपभोक्ता और सकारात्मक परणिामों को आगे बढ़ाने के लयि जीवन भर का अवसर बताया है।

वैश्वीकरण का दौर

वैश्वीकरण 1.0

- यह प्रथम वशि्वयुद्ध के पूर्व का चरण था, जसिे भाप और यांत्रकि शक्तकिे अन्य रूपों द्वारा व्यापार की लागत में एक ऐतहिासकि गरिावट के साथ शुरू कयिा गया था। इस दौरान दूरदराज़ से नर्िमति वस्तुओं को उपभोग करने के लयि कफिायती बनाया गया था।
- इस वैश्वीकरण को कोई सरकारी समर्थन प्राप्त नहीं था।
- इसके लयि कोई वैश्वकि शासन नहीं था।

वैश्वीकरण 2.0

- यह द्वतिीय वशि्वयुद्ध के बाद का चरण है जहाँ वस्तुओं के व्यापार को पूरक घरेलू नीतियों के साथ जोड़ा गया था।
- इसमें जहाँ बाज़ार पर दक्षता का प्रभाव था वहीं, सरकार पर न्याय का प्रभार था।
- वैश्वीकरण 2.0 के तहत संस्थान आधारति, नयिम आधारति अंतर्राष्ट्रीय प्रशासन, वशिेष रूप से संयुक्त राष्ट्र, IMF, वशि्व बैंक (WB), गैट / डब्ल्यूटीओ और खाद्य एवं कृषसिंगठन तथा अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन जैसी कई वशिषि्ट एजेंसयिों की स्थापना की गई।

वैश्वीकरण 3.0

- इसे हाइपर ग्लोबलाइज़ेशन भी कहा जाता है। अरविंद सुब्रमण्यन के अनुसार वैश्वीकरण 3.0 के दौरान विनिर्माण की एक नई दुनिया बनाई गई जिसमें उच्च तकनीक को कम मज़दूरी के साथ जोड़ा गया। इसका मतलब था सीमाएँ पार करने वाले कारखाने।

वैश्वीकरण 4.0

- यह वैश्वीकरण का एक नया चरण है जिसमें सूचना प्रौद्योगिकी के विस्फोट के साथ आगे बढ़ने वाली कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी अत्याधुनिक तकनीकों को शामिल किया गया है।
- इसमें दूरियाँ कम हो रही हैं और दायरा बढ़ता जा रहा है और दुनिया भर के लोगों को एक साथ लाया जा रहा है।

विश्व आर्थिक मंच (World Economic Forum)

- विश्व आर्थिक मंच सार्वजनिक-निजी सहयोग हेतु एक अंतर्राष्ट्रीय संस्था है, जिसका उद्देश्य विश्व के प्रमुख व्यावसायिक, अंतर्राष्ट्रीय राजनीति, शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों तथा अन्य प्रमुख क्षेत्रों के अग्रणी लोगों के लिये एक मंच के रूप में काम करना है।
- यह स्विट्ज़रलैंड में स्थित एक गैर-लाभकारी संस्था है और इसका मुख्यालय जिनेवा में है।
- इस फोरम की स्थापना 1971 में यूरोपियन प्रबंधन के नाम से जिनेवा विश्वविद्यालय में कार्यरत प्रोफेसर क्लॉस एम. श्वाब ने की थी।
- इस संस्था की सदस्यता अनेक स्तरों पर प्रदान की जानी है और ये स्तर संस्था के काम में उनकी सहभागिता पर निर्भर करते हैं।
- इसके माध्यम से विश्व के समक्ष मौजूद महत्त्वपूर्ण आर्थिक एवं सामाजिक मुद्दों पर परिचर्चा का आयोजन किया जाता है।

स्रोत – लाइवमिंट

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-economic-forum-annual-meeting-2019